

शब्दप्रवाह पुं. (तत्.) बोलने में अथवा वाचन में शब्दों का गतिशील प्रयोग।

शब्दबद्ध वि. (तत्.) शब्दों में बँधा हुआ, लिखित, लेखबद्ध, कथित।

शब्दबोध पुं. (तत्.) शब्दों का ज्ञान, किसी के कथन विशेष से प्राप्त ज्ञान, मौखिक साक्ष्यों से प्राप्त ज्ञान।

शब्दब्रह्म पुं. (तत्.) 1. आध्यात्मिक ज्ञान, शब्द रूप में ब्रह्म ज्ञान 2. प्रणव, ओंकार, ओम 3. स्फोट नामक शब्द का एक गुण।

शब्दभीति पुं. (तत्.) 1. ऐसे शब्द जिनके प्रयोग से व्यक्ति विशेष में असामान्य भय उत्पन्न हो 2. शब्द से भय 3. सत्य से भय भाषा. 4. कठोर शब्द।

शब्दविद्या स्त्री. (तत्.) 1. शब्द से संबंधित शास्त्र 2. व्याकरण।

शब्दविपर्यय पुं. (तत्.) भाषा. शब्दों का क्रम बदल जाना, पहले के स्थान पर दूसरा और दूसरे के स्थान पर पहला शब्द आना।

शब्दवेध पुं. (तत्.) बिना देखे केवल शब्द या ध्वनि सुनकर लक्ष्य-वेध करना, शब्दभेद।

शब्दशः क्रि.वि. (तत्.) अक्षरशः किसी के कहे गए शब्दों का ठीक-ठीक उसी क्रम में अनुसरण करना।

शब्दशः पठन पुं. (तत्.) शिक्षा. लिखित सामग्री के प्रत्येक शब्द को ध्यानपूर्वक पढ़ना।

शब्दशक्ति स्त्री. (तत्.) शब्द की अर्थ बोधक शक्ति, यह तीन प्रकार की है- अभिधा, लक्षणा तथा व्यंजना, शब्द की अभिव्यंजक शक्ति।

शब्दशास्त्र पुं. (तत्.) व्याकरण।

शब्दशूर पुं. (तत्.) वाग्शूर, वाक्पटु, बात करने में कुशल।

शब्दश्लेष पुं. (तत्.) किसी शब्द विशेष का दो या दो से अधिक अर्थों में प्रयोग होना, व्यर्थकता, अनेकार्थता।

शब्दसंक्षेप पुं. (तत्.) शब्द का संक्षिप्त रूप।

शब्दसंग्रह पुं. (तत्.) शब्दकोश, शब्दसूची, शब्दावली, शब्दों का चयन करके उन्हें सूचीबद्ध करना।

शब्दसाधन पुं. (तत्.) 1. शब्दों के उच्चारण की सरलता, मुख-सुख 2. शब्दों की व्युत्पत्ति को दर्शाने वाला व्याकरण का भाग।

शब्द साहचर्य परीक्षण पुं. (तत्.) मानसिक रोगी के हृदय में दबे हुए भावों/इच्छाओं को जानने के लिए मनोविश्लेषक द्वारा कुछ विशिष्ट शब्दों की सहायता से रोगी से शाब्दिक अनुक्रियाएँ करवाना।

शब्दसौकर्य पुं. (तत्.) 1. शब्दों के उच्चारण की सरलता, मुख-सुख 2. अभिव्यक्ति की सरलता।

शब्दसौष्ठव पुं. (तत्.) शब्दों के प्रयोग का सौंदर्य, शब्द-योजना का लालित्य, ललित एवं प्रांजल रचना शैली।

शब्दस्खलन पुं. (तत्.) भाषा. वाक्य-संरचना में शब्द का बीच में छूट जाना।

शब्दस्वायत्तता पुं. (तत्.) भाषा. शब्द का स्वतंत्र प्रयोग।

शब्दाडंबर पुं. (तत्.) वाक्-जाल, अतिशयोक्तिपूर्ण शब्दों का प्रयोग, विद्वत्त-प्रदर्शन हेतु बड़े-बड़े शब्दों का प्रयोग, शब्दों का घटाटोप।

शब्दातिग पुं. (तत्.) विष्णु।

शब्दातिरेक पुं. (तत्.) शब्दों की अधिकता, आवश्यकता से अधिक मात्रा में शब्दों का प्रयोग।

शब्दातीत वि. (तत्.) 1. वर्णनातीत, शब्दों की शक्ति से परे, जिस तक शब्दों की पहुँच न हो, अनिर्वचनीय 2. ईश्वर।

शब्दादि वि. (तत्.) शब्द से आरंभ होने वाला (ज्ञान) पुं. शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध ज्ञानेंद्रियों के पाँच विषय।

शब्दादेश पुं. (तत्.) किसी वस्तु विशेष से संबंधित विशिष्ट शब्द का दूसरी सदृश वस्तु के लिए प्रयोग, शब्द का लाक्षणिक प्रयोग।

शब्दाधारित वि. (तत्.) शब्द पर आश्रित।